प्र.१ निम्नलिखित अवतरणों का ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : (१६)

अ) "लड़कियाँ लड़कियाँ ही थी पर वे न तो 'पराई सम्पत्ति रह गई थी और न घर का बासन'। पता नहीं उनमें कहाँ क्या उपज आया था, जो पहले नहीं था । "

अथवा

"यह अकेला परिवार नहीं था, जिसका कोई समुद्र में खो गया था। होस्टल की छत पर चढ़कर जब भी समीरा चारों ओर देखती तब समुद्र ही समुद्र नजर आता भीड़ का समुद्र।"

आ. "जिन्दगी की डाँवाँडोल स्थितियों से मुक्ति मिलते ही नाच गान की वह प्रवृत्ति बाबूजी के उपर एकदम हावी हो गयी । फिर देखते-ही-देखते तबले की थाप और हारमोनियम की आवाज से पूरा मुहल्ला झंकृत हो गया ।"

अथवा

"प्रारम्भ में सुनयना को लगता था कि दोष उसके पति का है । उसका पति कुविचारी और निर्दयी है । बात बात पर हाथ चला देता है । फिर उसे लगता कि सास का दोष है ।"

प्र.२ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (२४)

क. 'समुद्र में खोया हुआ आदमी' उपन्यास की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'बीरन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ख. 'बन्द रास्तों के बीच' कहानी की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'मेघना का निर्णय' कहानी के जीवन-दर्शन पर प्रकाश ड़ालिए।

प्र.३ निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए । (१०)

च. 'दूसरा महाभारत' कहानी का महाभारत।

अथवा

'सुनयना की पीड़ा

छ. 'समुद्र में खोया हुआ आदमी' उपन्यास के उपन्यासकार का अल्प-परिचय।

अथवा

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए : (१०)

१. 'समुद्र में खोया हुआ आदमी' उपन्यास की मुखपृष्ठ पर कितने लोगों के चित्र है ?

२. 'समुद्र में खोया हुआ आदमी' उपन्यास किसने लिखा ?

३. वीरन के पत्र कौन उठाता था ?

४. श्यामलाल के बेटे का नाम क्या था ?

५. श्यामलाल की पत्नी का नाम क्या था ?

६. मेघना काम क्या करता था ?

७. सुनयना को रोज कौन पीटता था ?

८. सँझले भैया किसे कहते हैं ?

९. सुनयना के पति में क्या दोष था ?

१०. "ए लौंडे कसकर एक झापड़ दूंगा, बस तेरी सारी हेकड़ी दूर हो जायेगी ।" यह किसने कहा ?

* * * * *